

श्री ५२५

पत्रावली जेय हरी । वहील

व वाहीगण अनुपल्लिखल । आवाज

लिखाई तरी कोनी अनुपल्लिखल



तारीख
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर
अहम
हुक्म
ये

हे। बार-बार आवान
दिलवारी गरी। वादीगण व
उनके अधिवक्ता अधुपलिया
अहम काड वादीगण अहम
दामरी, अहम देली खादीज
दिया जालही। पगावणी
नम्बर से अम होकर
दाखिल करार हो।

